Article 1 – 1000 words **HINDI VERSION**
13 September 2007
Translated March 2008

प्राकृतिक संकटों के साथ रहना

यह लेख भूकम्प आयोग (अर्थक्वेक कमीशन) द्वारा तैयार किया गया है, जो एक ऐसी सरकारी एजेंसी है जो घरेलू जायदादों के लिए प्राकृतिक संकटों के बीमे की प्रदाता तथा प्राकृतिक संकट फंड (नैचुरल डिज़ास्टर फंड) का प्रबन्धक है।

प्राकृतिक संकट न्यूज़ीलैंड में जीवन की एक विशेषता है, वैज्ञानिकों के शब्दों में इसका कारण है भौगोलिक रूप से इसकी क्रियाशील प्रकृति।

एक द्वीप देश (आयलैंड नेशन) जो कि विश्व की दो महान विवर्तनिक (टैक्टोनिक) प्लेटों की सीमा पर स्थित है, हमारे लिए ज्वालामुखीय विस्फोटों, भूकम्पों तथा सूनामियों की संभावना बनी रहती है।

हमारी भूमि में भारी वर्षा, नदी घाटियां तथा मैदान, खड़ी पहाड़ी चट्टानें तथा पर्वत, प्रचण्ड हवाएं, तथा एक भयंकर समुद्रों से घिरा एक लम्बा समुद्रतट भी शामिल है।इनके कारण भू-स्खलन, बाढ़, तूफान तथा कटाव जैसे अन्य खतरे भी आते रहते हैं।

हमारे पाकृतिक दृश्य को बड़े पैमाने की अनेकों टॉपो विस्फोट जैसी पाकृतिक घटनाओं द्वारा आकार दिया गया है। आजकाल शान्त दिखाई देने वाली टॉपो झील **26,500** साल पहले एक विशाल विस्फोट के कारण बनाया गया एक गढ़ा (क्रेटर) है।

न्यूज़ीलैंड का सबसे बड़ा महानगरीय इलाका - आकलैंड - एक प्रमुख विस्फोट क्षेत्र में है। इसका प्राकृतिक दृश्य रान्गीटोटो समेत पुराने ज्वालामुखियों से सजा हुआ है जो कि **600** साल पहले समुद्र से प्रकट हुआा था।

वैलिंगटन, लोअर हट तथा अपर हट एक क्रियाशील भूकम्प भ्रंश-मंडल (एक्टिव अर्थक्वेक फॉल्ट सिस्टम) पर बने हुए हैं।

दक्षिण द्वीप में दर्शनीय पर्वत श्रृंखला जिसे साउदर्न ऑल्प्स के नाम से जाना जाता है, वह अल्पाइन भ्रंश के समानान्तर हजारों सालों के उत्थापन (अपलिफ्ट) का परिणाम है, जो कि पैसिफिक तथा ऑस्ट्रेलियन विवर्तनिक (टैक्टोनिक) प्लेटों के बीच में संघर्ष या टक्कर का क्षेत्र है। जब भी यह भ्रंश हिलता है तो आमतौर पर भारी भूकम्प आते हैं, जिससे विशेषकर क्राइस्टचर्च को खतरा रहता है।

लगभग **1,000** साल पहले, पहली बस्ती (सैटलमैंट) के समय से लोगों ने इन प्राकृतिक संकटों के साथ जीना सीख लिया है। मॉओरी मौखिक इतिहास इस प्रकार की कई घटनाओं को रिकॉर्ड करता है।

यूरोपियन लोगों के आगमन से विभिन्न प्रकार की बस्तियों के नमूनों के साथ ही नई असुरक्षितता भी

दिखनी शुरू हो गई - विशेषकर भूकम्पों के प्रति। उदाहरण के तौर पर, 1848 में अनुभवहीन वैलिंगटन शहर पर 7.1 मैगनीट्यूड के भूकम्प का आघात हुआ था। हालांकि केवल तीन मौतें रिकार्ड की गई थी, शहर इसकी अधिकतर ईंट तथा पत्थर के भवनों के साथ असल में नष्ट हो गया था। इसकाअनुसरण 1855 में क्षेत्र में इससे भी भारी भूकम्प ने किया था- 8.2 मैगनीट्यूड। इसमें कई मौतें हुई थीं तथा विध्वंस चारों तरफ फैल गया था।

बाद में आने वाले अन्य महत्त्वपूर्ण संकटों में निम्नलिखित शामिल हैंः

- टोकानू भू-स्खलन 1846 (61 लोगों की मौत के साथ पूरे गांव को दफना दिया)
- 1886 में माउंट टारावेरा विस्फोट (कम से कम 153 लोगों की मौत)
- 1929 में मरचिसन भूकम्प (7.8 मैगनीट्यूड, 17 लोगों की मौत)
- 1931 में नेपियर भूकम्प (7.8 मैगनीट्यूड, 256 लोगों की मौत, अधिकतर नेपियर तथा हेस्टिंग्स का विनाश)
- 1942 में वैलिंगटन तथा वायरारापा भूकम्प(7.2 मैगनीट्यूड, चोट, चारों तरफ फैला विनाश)
- 1947 में गिज़बर्न सूनामी (शहर के उत्तर में समुद्र किनारे की इमारतों की हानि)
- 1948 में ईनान्गाहुआ भूकम्प (7 मैगनीट्यूड, 3 लोगों की मौत)
- 1987 में एज़कूम्ब भूकम्प (6.3 मैगनीट्यूड भूकम्प, कुछ चोटें, चारों तरफ फैला विध्वंस)।

इसके बाद से बहुत से छोटे पैमाने के भूकम्प जिनके कारण नुकसान हुआ है, निवास स्थानों से काफी दूरी पर स्थित कई बहुत बड़े भूकम्प, तथा भारी नुकसान करने की क्षमता रखने वाला एक बहुत भारी भूकम्प- अगस्त 2003 में फियोर्डलैंड भूकम्प आए हैं। यह 1968 के बाद से समुद्रतट पर आने वाला सबसे भारी भूकम्प था। इसके सबसे नज़दीक आबादी वाला एक छोटा सा शहर टि आनाऊ था। इसके बावजूद, नुकसान काफी महत्त्वपूर्ण था, जिसके कारण भूकम्प आयोग के पास 3,000 के नज़दीक बीमे के दावे किए गए थे।

1942 के वैलिंगटन और वायरारापा के भूकम्प से सैंकड़ों इमारतों का विनाश या बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ था तथा अनेकों इमारतें सालों तक बिना मरम्मत के पड़ी रही थीं, ज्यादातर इसका कारण था कि लोगों के पास पर्याप्त बीमा नहीं था। इसलिए सरकार ने अफोर्ड किया जा सकने वाला बीमा प्रदान करने के लिए उस समय भूकम्प तथा युद्ध क्षति आयोग(अर्थक्वेक एन्ड वार डैमेज़ कमीशन) के नाम से प्रचलित संस्था की स्थापना की। बाद में, अन्य प्राकृतिक संकट सम्मिलित किए गए तथा युद्ध क्षति कवर को हटा दिया गया। EQC आजकल भूकम्प, भू-स्खलन, ज्वालामुखीय विस्फोट, सूनामी तथा हाइड्रोथर्मल गतिविधि को कवर करता है।

इस योजना का उद्देश्य है संकट के बाद न्यूज़ीलैंड वासियों की जितना हो सके उतना जल्दी अपने घरों या नए घरों में जाने में मदद करना।

जब मकान-मालिक अपनी जायदाद और सामान के लिए साधारण बीमा करवाते हैं तो वे EQC के बीमे के कवर को प्राप्त करने के लिए थोड़ी सी राशि अनिवार्य लेवी के रूप में अदा् करते हैं। ये लेवियां प्राकृतिक संकट फंड के रूप में एकत्र हो गई हैं जो कि अब पचास खरब (पाँच बिलियन) की राशि से ऊपर पहुँच चुका है। इसके अतिरिक्त, EQC के पास बहु-खरब डॉलर (मल्टी-मिलियन

डॉलर) का पुनर्बीमे का कवर तथा किसी भी प्रकार की कमी को पूरा करने की सरकारी गारंटी भी है।

EQC घर के लिए 100,000 डालर + जीएसटी तथा सामान के लिए 20,000 डालर + जीएसटी तक की राशि का बीमा प्रदान करता है। कुछ कवर जिस जमीन पर मकान बना हुआ है उसके लिए भी प्राप्त है। वर्तमान मकानों की कीमतों को देखते हुए हो सकता है यह राशि अधिक नहीं दिखाई दे, अधिकतर रूप से मकान को होने वाला नुकसान आंशिक ही होता है तथा मरम्मत की कीमत इन सीमाओं के भीतर ही होती है।

अनेकों प्राइवेट बीमाकर्ता EQC की सीमा से अधिक हानि का कवर प्रदान करते हैं। इसे टॉप-अप कवर के नाम से जाना जाता है तथा यह जरूरी है कि आप इस बात की जांच कर लें कि यह आपके प्राइवेट बीमाकर्ता द्वारा ऑटोमैटिक रूप से दिया जाता है या आपको इसका प्रबन्ध करना पड़ता है।

सैभाग्य से, न्यूज़ीलैंड में EQC के स्थापित होने के बाद से अपेक्षाकृत शान्त भूकम्प समय रहा है। फिर भी, 1997-2000 के समय के दौरान भूकम्प से हुई हानि के 18,000 दावे थे कमीशन के लिए जिसकी लागत 33.7 मिलियन डालर थी।

भू-स्खलन प्रायः होते ही रहते हैं, तथा EQC के पास उसी समय के दौरान 13,000 दावे किए गए थे, जिसकी लागत उनके लिए 132.3 मिल्यिन डालर थी।

गृह-निवासियों को केवल यह ही जरूरी नहीं है कि वे केवल इस बात की ही चिन्ता करें कि उनके पास प्राकृतिक संकटों के विरूद्ध उचित बीमा कवर है या नहीं। उनके लिए अपने इलाके में प्रस्तुत खतरों के बारे में जानना तथा संकट के लिए तैयार रहना जरूरी है।

तैयारी में निम्नलिखित शामिल हैंः

- आपत्काल उत्तरजीवन पेटी (सरवायवल किट) तथा प्रस्थान के समय साथ ले जाने की पेटी (गेटअवे किट)
- घर की नींवों तथा ढांचों की जांच करना
- पानी के सिलिंडरों, ऊँचे फर्नीचरों को पीछे से बांध कर रखें
- चिमनियों तथा निमुर्क्त रूप से खड़े अग्नि-स्थलों (फायरप्लेसिज़) को सुरक्षित करें
- घर के अन्य सामान को सुरक्षित करें
- इस बात की जाँच करें कि ढलान-स्थल तथा रूकाव करने वाली दीवारें (स्लोप्स एन्ड रिटेनिंग वाल्स) टिकाऊ हैं।

(जरूरत होने पर विशेषज्ञ सलाह तथा सहायता लें)।

न्यूज़ीलैंड का कई सालों का प्राकृतिक संकटों का अनुभव उच्च भवन निर्वाण मापदन्डों के रूप में अभिव्यक्त किया गया है। न्यूज़ीलैंड की इमारतें दुनिया की सबसे सुरक्षित इमारतों में से हैं।

1975 से लकड़ी के फ्रेम वाले मकान NZS 3604 मापदंड के अन्तर्गत बनाए गए थे तथा भूकम्प के दौरान ये काफी टिकाऊ हो सकते हैं। **1985** के बाद से कन्क्रीट मेसनरी से बने मकान भी उसी मापदंड के बराबर बनाए गए थे - NZS 4229.

ज्यादातर पुराने मकान बहुत अच्छे मापदंडों के अनुसार बनाए गए थे तथा उनमें से कई मकानों को और भी ऊंचे मापदंडों के अनुसार अपग्रेड किया गया है। कुछ में रिमिडियल काम की जरूरत हो सकती है। अगर आपको इस बारे में कोई सन्देह हो तो बिल्डिंग निरीक्षण सेवाओं से सलाह लें।

यह जरूरी है कि निर्माण की नींव तथा इन नीवों से भवन जिस प्रकार से जुड़ा हुआ है वे मज़बूत तथा सुरक्षित हैं। पुराने मकानों में इसकी जांच करा लेना फायदेमन्द होगा।

अरबी, चाइनीज़, अंग्रेज़ी, हिन्दी, कोरियन, समोअन तथा टोंगन भाषा में अधिक जानकारी के लिए www.eqc.govt.nz वेबसाइट पर जाएं।

EQC (www.eqc.govt.nz) वेबसाइट पर जाएं

अंग्रेजी में अधिक जानकारी के लिएः
सिविल डिफेन्स (www.civildefence.govt.nz) वेबसाइट पर जाएं
पीले पृष्ठों वाली टेलिफोन पुस्तिका के अन्त में
क्षेत्रीय नगर (रीजनल सिटी) तथा जिला (डिस्ट्रिक्ट) काउंसिलें
आप अंग्रेज़ी में अपने ज्ञान की परीक्षा तथा प्राकृतिक संकटों के बारे में www.eqiq.govt.nz वेबसाइट पर सीख सकते हैं।

EQC इनफोलाइन 0800 652 333 फोन नम्बर (दुभाषिया सेवा उपलब्ध)

सभी न्यूज़ीलैंड वासियों के लिए यह जरूरी है कि वे प्राकृतिक संकटों के खतरों को समझें तथा तैयार रहें।